

प्रेषक,

सी० भास्कर,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०,
देहरादून।

ऊर्जा अनुभाग-2,

देहरादून: दिनांक: 10 नवम्बर, 2008

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2008-09 में परिवर्तकों के अर्थिग हेतु अनुसूचित जनजाति अंश हेतु ऋण स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 29 दिनांक 03.04.2008 एवं शासनादेश संख्या-2270/1(2)/2008-06(1)/33/2007 दिनांक 02-09-2008 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2008-09 में परिवर्तकों की अर्थिग कार्यों हेतु ऋण के रूप में अनुसूचित जनजाति अंश हेतु रु० 11,77,000.00 (रुपये ग्यारह लाख सत्तहत्तर हजार मात्र) की धनराशि को व्यय हेतु निम्नांकित शर्तों के अधीन आपके निवर्तन में रखने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त धनराशि को आहरण एवं व्यय करने से पूर्व सभी वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति अवश्य कर ली जाय।
- 2- कार्य प्रारम्भ करने से पहले कार्यों का विस्तृत आगणन, कार्यों का विस्तृत विवरण, समयबद्ध समय सारिणी, लागत, लाभान्वित होने वाले क्षेत्र का विस्तृत विवरण शासन को भी उपलब्ध करा दिया जायेगा तथा कार्य पूर्ण होने पर उक्त बिन्दुओं पर वास्तविक विवरण भी शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। स्वीकृत धनराशि का व्यय एवं कार्यों का क्रियान्वयन परियोजना मोड में यथोचित बारचार्ट/पर्ट चार्ट आदि पूर्व में निश्चित कर किया जायेगा।
- 3- स्वीकृत की जा रही धनराशि केवल उक्त कार्यों एवं उद्देश्य हेतु ही अनुसूचित जनजाति क्षेत्र में ही व्यय की जायेगी।
- 4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि० द्वारा हस्ताक्षरित एवं जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर उपरान्त कोषागार, देहरादून में प्रस्तुत कर किया जायेगा।
- 5- व्यय करने से पूर्व योजनाओं पर बजट मैनुअल, फाईनेन्सियल हैण्डबुक, अधिप्राप्ति नियमावली तथा शासन के भित्तिव्ययता के विषय में आदेश व तद्विषयक आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।
- 6- कार्यों पर व्यय करने से पूर्व इनके विस्तृत आगणन पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से अवश्य प्राप्त कर ली जाय। साथ ही कार्य करने से पूर्व सम्पूर्ण योजनाओं पर उत्तराखण्ड विद्युत नियामक आयोग एवं अन्य सक्षम स्तरों से यथा आवश्यक तकनीकी/वाणिज्यिक/वित्तीय/प्रशासनिक अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाय। योजनाओं के सापेक्ष शेष धनराशि की व्यवस्था उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि० द्वारा अन्य वित्तीय स्रोतों से यथा समय अवश्य कर ली जाय।
- 7- स्वीकृत कार्यों की कम्प्यूटरीकृत सूची शासन को उपलब्ध करायी जायेगी।
- 8- आवश्यक सामग्री का कय सम्बन्धित फर्म से प्राप्त सामग्री की जाँच के उपरान्त ही किया जायेगा एवं इस हेतु सक्षम अधिकारी को अधिकृत किया जायेगा, जो इस हेतु पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 9- इस ऋण पर ब्याज की दर 8.5% निर्धारित की जाती है तथा विलम्ब की दशा में 1.0% अतिरिक्त विलम्ब शुल्क देय होगा। मूलधन की वापसी 10 वार्षिक किश्तों में (ब्याज सहित) माह अप्रैल, 2009 से प्रारम्भ होगा।
- 10- प्रत्येक ऋण आहरण की सूचना महालेखाकार, उत्तराखण्ड को शासनादेश की प्रति के साथ कोषागार का नाम, वाउचर संख्या, निधि लेखशेषक सूचित करते हुये भेजेंगे।

11- उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि० जब भी किश्तों का भुगतान करें ब्याज भी अवश्य जमा करें एवं महालेखाकार कार्यालय एवं शासन के ऊर्जा सैल को निम्न बिन्दुओं पर सूचना भेजें:-

1- कोषागार का नाम, 2- चालान सं०, 3- जमा धनराशि, किश्त, ब्याज, 4- शासनादेश संख्या और एस०एल०आर० का संदर्भ, 5- लेखाशीर्षक, जिसके अन्तर्गत जमा की धनराशि ब्याज।

12- ऋण प्राप्तकर्ता द्वारा आहरण के प्रत्येक वर्ष पर अपने लेखों का मिलान महालेखाकार कार्यालय के लेखों से अवश्य करें तथा शासन को मिलान की सूचना उपलब्ध कराई जाय तथा किश्तों के भुगतान का मिलान शासन से भी करा लें।

13- ऋणी संस्था यह सुनिश्चित करेंगे कि ऋण से सम्बन्धित वार्षिक लेखों का मिलान महालेखाकार कार्यालय से करा लिया है ताकि अवशेष ऋण की स्थिति शासन को स्पष्ट रहे और ऋणी संस्था महालेखाकार से इस आशय का प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दे।

14- स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन को दिनांक 31.03.2009 तक अवश्य उपलब्ध करा दिया जायेगा। योजना का मासिक रूप से व्यय विवरण शासन को प्रेषित कर दिया जायेगा।

15- इस धनराशि से सर्वप्रथम गत वर्ष में 80 प्रतिशत किए गये कार्यों को पूर्ण किया जाएगा।

16- अवमुक्त की जा रही धनराशि का शासन को प्रस्तुत प्रस्ताव में निर्धारित वित्तीय एवं भौतिक प्रमाणों अनुसार व्यय किया जायेगा।

17- भविष्य में सभी पूंजीगत कार्यों का वित्त पोषण वित्तीय संस्थाओं से करेंगे।

18- स्वीकृत धनराशि चालू वित्तीय वर्ष 2008-2009 के आय-व्ययक के अनुदान सं० 31 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 6801-बिजली परियोजनाओं के लिये कर्ज-05-पारेषण एवं वितरण-आयोजनागत-796-जनजाति क्षेत्र उपयोगना-03-उत्तरांचल पावर कारपोरेशन को ऋण-00-30-निवेश/ऋण के नामें डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं० 759/XXVII(2)/2008, दिनांक 07 नवम्बर 2008 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सी० मास्कर)
अपर सचिव

संख्या: 2782
/1(2)/2008-06(1)/35/2007, तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
- 2- निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 4- कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5- वित्त अनुभाग-2
- 6- समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ/समाज कल्याण विभाग।
- 7- सचिव, मुख्यमंत्री को मा० मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।
- 8- प्रभारी, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर।
- ✓ 9- विशेष सैल, ऊर्जा।
- 10- गार्ड फाईल हेतु।

आज्ञा से,

(एम०एम० सेमवाल)
अनु सचिव